Deg-I
1431-(Hons)

①

महमूद गजनवी के आक्रमण का प्रभाव :-

महमूद गजनवी का आक्रमण भारतीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना थी। वह 27 वर्षों तक भारत के समृद्धशाली राज्यों का लूट-खसोट करता रहा और अपार सम्पत्ति गजनी ले जाने में सफल रहा। गजनवी के आक्रमण के पूर्व विदेशी आक्रमणकारी भारत में ही बस जाते थे और राष्ट्र का धन राष्ट्र में ही रह जाता था। परन्तु महमूद गजनवी भिन्न प्रकार का आक्रमणकारी था। वह धन लोलुप था और उसकी धन-लोलुपता उत्तरोत्तर बढ़ती ही जाती थी। भारत एक समृद्ध देश था। सदियों से मठ-मन्दिरों, नगरों एवं राजप्रसादों में संग्रह किए हुए धन को लूटकर ले जाने से महमूद की धन-लोलुपता सुरसा की तरह प्रतिवर्ष बढ़ती गयी और उसकी लूट-खसोट की नीति के कारण भारत को अपार धन-जन की क्षति हुई। लगातार युद्ध और विरोध के कारण हजारों-हजार व्यक्तियों को निर्दयता के साथ मौत के घाट उतारने में महमूद को कोई हिचकिचाहट नहीं होती थी।

भारत की सैनिक शक्ति पर भी महमूद के आक्रमण का परिणाम सिद्ध हुआ। वे युद्ध क्षेत्र में भागने के बदले मौत को अधिक श्रेष्ठ मानते थे। अतः युद्ध में असंख्य सैनिकों की जाने भी गयी। इस प्रकार भारत की सैनिक शक्ति को अपार क्षति हुई।

महमूद नगरों, मठों और मन्दिरों को नष्ट कर

P.T.O.

Scanned with CamScanner

कर देता था।
भारत में प्रवेश पाने के लिए उत्तर-पश्चिम सीमा पर स्थित हिन्दूशाही राज्य प्रहरी का काम करते थे। वस्तुतः महमूद गजनवी ने अफगानिस्तान, मुल्तान, सिन्ध और पंजाब विजय पर अधिकार कर विदेशियों के प्रवेश के लिए द्वार खोल दिया था। भारत में प्रवेश कर कई समृद्ध शहरों को नष्ट कर उसने न केवल आर्थिक लाभ प्राप्त किया, बल्कि भारत में मुस्लिम राज्य की स्थापना के लिए अग्रदूत की तरह काम किया।

भारत में महमूद गजनवी के आक्रमण से इस्लाम धर्म का प्रचार सरल हो गया। बहुत से मुसलमान सन्त और मौलवी सीमा क्षेत्र में स्थायी रूप से बस गये। बलपूर्वक हिन्दुओं को इस्लाम धर्म में दीक्षित कर लिया जाता था। महमूद गजनवी पहला आक्रमणकारी था जिसने शक्ति के सहारे इस्लाम धर्म का प्रचार भारत में किया था। बर्बरता, निर्दयता एवं लूट-खसोट की नीति अपनाने से भारत में इस्लाम धर्म के प्रति घृणा के भाव उत्पन्न हुए। महमूद गजनवी हिन्दुओं को बन्दी बनाकर दास बना लेता था। धन और दासों की सुविधा ने मुसलमानों को विलासी बना दिया। उनकी सैनिक क्षमता शेष हो गयी और अन्ततः गजनवी साम्राज्य का पतन हो गया।